CODE: NTM-21-HINDI

HINDI
हिंदी

समय : 1½ घंटे | अधिकतम अंक : 50

Time Allowed : 1½ Hours | Maximum Marks : 50

प्रश्नपत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को, प्रश्नों के उत्तर देने से पहले ध्यानपूर्वक पढिए :

1. इस प्रश्नपत्र में 6 प्रश्न हैं.
2. सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं.
3. परीक्षार्थी प्रश्न/प्रश्न के भाग के उत्तर खंड में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही दें.
4. प्रत्येक प्रश्न/प्रश्न के भाग के अधिकतम अंक उसके सामने अंकित हैं.
5. प्रश्न/प्रश्न के सभी भागों के उत्तर प्रश्न-सह-उत्तरपुस्तिका में उसके नियत स्थान पर लिखिए. प्रश्नों/प्रश्नों के भागों के उत्तर क्रमानुसार गिने जाएँगे.
6. यदि उत्तर काटा नहीं गया है तो आंशिक उत्तर देने पर भी उसे गिना जाएगा. यदि प्रश्न-सह-उत्तरपुस्तिका में प्रश्न/प्रश्न के भाग के लिए निर्धारित पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को खाली छोड़ा गया है तो उसे लकीर खींचकर काटना आवश्यक है.
7. प्रश्नों के उत्तर स्पष्ट, सुपाठ्य रूप में दें. उत्तर की शब्द-सीमा का भी ध्यान रखें.

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of following instruction carefully before attempting questions.

1. This question paper contains 6 questions.
2. All questions are compulsory.
3. Candidates should attempt question/parts as per the instructions given in the section.
4. The number of marks carried by the question/part is indicated against it.
5. All parts of a question shall be attempted at the place designated for them in the Question-cum-Answer Booklet. Attempts of parts/ questions shall be counted in sequential order.
6. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
7. Candidates are required to write clear, legible and concise answers and to adhere to word limits, wherever indicated.

1. निम्नलिखित अवतरण का हिंदी में अनुवाद कीजिए : **10**

We are born sensible, and from our birth we are effected in different ways by the objects which surround us. As soon as we have the consciousness, so to speak, of our sensations, we are disposed to seek or to shun the objects which produce them: first, according as they are agreeable or disagreeable to us; then, according to the congruity or the incongruity which we find between ourselves and these objects; and, finally, according to the judgments which we derive from them relative to the idea of happiness or perfection which is given us by the reason. These dispositions are extended and strengthened in proportion as we become more susceptible and enlightened; but, constrained by our habits, they change more or less with our opinions. Before this alteration, these dispositions are what I call our nature.

2. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या इस प्रकार कीजिए कि प्रमुख शब्दों के अर्थ, भाव-पल्लवन, लेखक का मंतव्य एवं पाठकीय प्रतिक्रिया व्याख्या में समाहित हो जाए : **10**

सौंदर्य किसे कहते हैं ? प्रकृति, मानव-जीवन तथा ललित कलाओं के आनंददायक गुण का नाम सौंदर्य है| इस स्थापना पर आपत्ति यह की जाती है कि कला में कुरूप और असुंदर को भी स्थान मिलता है; दुखांत नाटक देखकर हमें वास्तव में दुःख होता है; साहित्य में वीभत्स का भी चित्रण होता है; उसे सुंदर कैसे कहा जा सकता है? इस आपति का उत्तर यह है कि कला में कुरूप और असुंदर विवादी स्वरों के सामान हैं जो मुख्य राग को निखारते हैं | वीभत्स का चित्रण देखकर हम उससे प्रेम नहीं करने लगते; हम उस कला से प्रेम करते हैं जो हमें वीभत्स से घृणा करना सिखाती है | वीभत्स से घृणा करना सुंदर कार्य है या असुंदर ? जिसे हम कुरूप, असुंदर और वीभत्स कहते हैं, कला में उसकी परिणति सौंदर्य में होती है |

(रामविलास शर्मा)

3. निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या इस प्रकार कीजिए कि प्रमुख शब्दों के अर्थ, भाव-पल्लवन, लेखक का मंतव्य एवं पाठकीय प्रतिक्रिया व्याख्या में समाहित हो जाए : **10**

धीरे से पाँव धरा धरती पर किरनों ने,
मिट्टी पर दौड़ गया लाल रंग तलुओं का |
छोटा-सा गाँव हुआ केसर की क्यारी-सा,
कच्चे घर डूब गये कंचन के पानी में |
डालों की डोली में लज्जा के फूल खिले,
ऊषा ने मस्ती से फूलों को चूम लिया |
गोरी ने गीतों से सरसों की गोद भरी,
भौरों ने गोरी के गालों को चूम लिया | (केदारनाथ अग्रवाल)

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **आठ** मुहावरों का इस प्रकार वाक्यों में प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए : **8**

(i) अगर-मगर करना

(ii) एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाना

(iii) कुंडली मारकर बैठना

(iv) नाक का बाल होना

(v) आसमान सिर पर उठाना

(vi) बाँछें खिलना

(vii) सूरज को दीया दिखाना

(viii) आँखें झुकना

(ix) कुएँ में भाँग पड़ी होना

(x) चिकना घड़ा होना

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार किन्हीं **छह** का वाक्य-परिवर्तन कीजिए : **6**

(i) रजत के पास एक नीले रंग का पेन है | (**मिश्र वाक्य** में बदलिए)

(ii) तुम खाना खाकर सो जाओ | (**संयुक्त वाक्य** में बदलिए)

(iii) आँधी आई और बहुत से पेड़ गिर गए | (**सरल वाक्य** में बदलिए)

(iv) वहाँ बहुत-से लोग एकत्रित थे, जो शोर मचा रहे थे | (**संयुक्त वाक्य** में बदलिए)

(v) जो सत्यनिष्ठ होते है, वे कभी नहीं घबराते | (**सरल वाक्य** में बदलिए)

(vi) पैर में चोट आने के बावजूद वह बहुत तेज़ दौड़ा | (**मिश्र वाक्य** में बदलिए)

(vii) सूर्योदय हुआ और पक्षी चहचहाने लगे | (**सरल वाक्य** में बदलिए)

(viii) हमारी टीम के सभी ग्यारह खिलाड़ी अच्छे क्षेत्ररक्षक हैं | (**संयुक्त वाक्य** में बदलिए)

6. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **छह** के समानार्थक शब्द कोष्ठक में से चुनकर लिखिए : **6**

(i) समुद्र (ii) नदी (iii) अग्नि (iv) वायु

(v) पक्षी (vi) गर्मी (vii) पेड़ (viii) तारा

(रत्नाकर, तड़ाग, द्विज, वह्नि, उडु, सरिता, राकेश, आतप, तनुजा, ताम्रचूड़, विटप, अनिल, चंचला, वारिद, सौरभ, प्रभा)